KLE SOCIETY'S SCHOOL, NAGARBHAVI, BENGALURU

NAME – GRADE – 5 DATE –

SUBJECT – HINDI W.S-3 अपठित गद्यांश और पद्यांश

I) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

संसार में सबसे मूल्यवान वस्तु समय है, क्योंकि दुनिया की अधिकांश वस्तुओं को घटाया-बढ़ाया जा सकता है, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर व्यक्ति के पास पछताने के अलावा कुछ नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्व है। विद्यार्थी जीवन का उद्धेश्य है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेल-कूद, मौज-मस्ती तथा आलस्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गए हैं, उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने है, उसका सदुपयोग करें।

1) समय को सबसे अमूल्य वस्तु क्यों कहा गया है?

2) विद्यार्थी जीवन का उद्धेश्य क्या है?

3) कैसे विद्यार्थी जीवन भर पछताते रहते हैं?

4) समय के संबंध में व्यक्ति का क्या कर्तव्य बताया गया है?

5) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

1) जीवन – 2) मूल्यवान –

II) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

छोटी-सी मधुमक्खी आई
कोमल पंख हिलाती,
कभी इधर तो कभी उधर
वह फूलों पर मँडराती।

फूलों का रस ले-लेकर
वह छत्ते पर है जाती,
उस रस का अपने घर पर
वह मीठा मधु बनाती।

हे प्यारी मधुमक्खी आओ
हमको भी सिखलाओ,
मेहनत का फल मीठा होता
हम सबको समझाओ।

1) मधुमक्खी फूलों पर क्यों मँडराती है?
2) मेहनत का फल कैसा होता है?
3) मधुमक्खी फूलों के रस से क्या बनाती है?
4) मधुमक्खी से हमें क्या सीख मिलती है?
5) नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1) फूल – 2) मेहनत –